इसका निर्णय किसी व्यक्ति विशेष द्वारा नहीं किया जाएगा बल्कि जनता और माननीय न्यायालय द्वारा किया जाएगा कि यदि किसी फिल्म निर्माता ने धर्म के विरुद्ध या तथ्यों को गलत तरीके से पेश करके दिखाया है तो उसके लिए 'पोस्ट पब्लिकेशन रेमेडीज' उपलब्ध हैं। -विष्णु शंकर जैन@Vishnu_Jain1

संक्षिप्त खबरें

पीएम के खिलाफ अपशब्द 'राजनीतिक पतन' : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल की निंदा की और इसे 'राजनीतिक पतन' का संकेत बताया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस और राजद (राष्ट्रीय जनता दल) के मंच से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लिए प्रयुक्त अभद्र भाषा अत्यंत निदनीय एवं राजनीतिक मर्यादा का पतन है। उन्होंने कहा कि 'इंडी' गठबंधन के नेताओं द्वारा किया गया यह कृत्य सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों की भावनाओं का अपमान है।

'ग्लोबल वॉर्मिंग से हवाई यात्रा में व्यवधान बढेगा'

नई दिल्ली। लगातार बढ़ती ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण पृथ्वी के वायुमंडल की उन परतों में हवा के कम स्थिर होने और वातावरण के अधिक अशांत होने की आशंका है, जहां विमान आमतौर पर उड़ान भरते है। ब्रिटेन स्थित रीडिग विश्वविद्यालय के हालिया अध्ययन में यह बात कही गई है। अध्ययन में पाया गया कि वायुमंडल की इन परतों में हवाई यात्रा में व्यवधान 1979 में 17.7 घंटों से 55 फीसदी बढकर 2020 में 27.4 घंटे हो गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण उपजी परिस्थितियों के चलते हवाई जहाजों में अधिक मजबूत पवन-विक्षेपण उत्पन्न होता है, जो कि उच्च ऊंचाई पर ग्रह के चारों ओर बहने वाली तीव्र गति वाली वायु धाराएं है। अध्ययन के नतीजे 'जर्नल ऑफ द एटमॉस्फियरिक साइंसेज' में प्रकाशित किए गए है।

संभल : सीएम से की हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

संभल। संभल में पिछले साल नवंबर में शाही जामा मस्जिद के एएसआई सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिसा के मामले की जांच कर रहे तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग के समक्ष गवाही देने वाले निवासियों ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जिले से उनके पलायन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया है। आयोग के समक्ष पेश हुए संजय कुमार पोली ने कहा, हम न्यायिक आयोग के बहुत आभारी है, जो उन्होंने सम्भल की सत्यता को उजागर किया। अब हम शासन से मांग करेंगे कि शासन इस ओर ध्यान दे और हमारी सुरक्षा की गारंटी लें। पोली ने दावा किया, हमने न्यायिक आयोग से जो बातें कही थीं, आज न्यायिक आयोग ने उनका सत्यापन कर दिया है। हम न्यायिक आयोग के अत्यंत आभारी है।

जहरीली आबोहवा से भारतीयों की उम्र औसतन 3.5 साल घट जाती है

नई दिल्ली (भाषा)। भारत की 1.4 अरब आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां कण प्रदूषण का वार्षिक औसत विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशा-निर्देशों से अधिक है। एक नयी रिपोर्ट तो कुछ यही बयां करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भारत में वायु गुणवत्ता वैश्विक मानकों के अनुरूप हो, तो देश की सबसे स्वच्छ आबोहवा वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी औसतन 9.4 महीने अधिक जी सकते है।

'द एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट एट द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो (ईपीआईसी)' की 2025 की वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में भारत में पीएम 2.5 कणों की सांद्रता का स्तर 2022 के मुकाबले अधिक था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्तर डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों से आठ गुना अधिक था और इसे स्थायी रूप से वैश्विक मानक के अनुरूप लाने से भारतीयों की औसत जीवन प्रत्याशा में 3.5 साल की वृद्धि की जा सकती है।

डब्ल्यूएचओ के साल 2021 के वायु गुणवत्ता दिशा-निर्देशों के अनुसार, पीएम 2.5 की वार्षिक औसत सांद्रता 5 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर होनी चाहिए, जबकि पीएम 10 के मामले में यह स्तर 15 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर निर्धारित किया गया है। ये सीमाएं भारत के अपने मौजूदा मानकों से कहीं अधिक सख्त है, जिनके तहत पीएम 2.5 के लिए वार्षिक औसत सांद्रता 40 माइक्रोग्राम और पीएम 10 के लिए 60 माइक्रोग्राम तय की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की 46 फीसदी आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से ज्यादा है। इसमें कहा गया है कि इन क्षेत्र में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर घटाकर राष्ट्रीय मानक के बराबर लाए जाने पर यहां के लोगों की जीवन प्रत्याशा 1.5 साल बढाई जा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत के सबसे प्रदूषित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में कण सांद्रता डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हो जाएं, तो 54.44 करोड़ लोगों, यानी देश की 38.9 फीसदी आबादी, की औसत जीवन प्रत्याशा पांच साल तक बढ़ सकती है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर पूरे भारत में कण प्रदूषण के स्तर को घटाकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार कर दिया जाए, तो राष्ट्रीय राजधानी और सबसे अधिक आबादी वाले शहर दिल्ली के निवासियों को सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा तथा उनकी औसत जीवन प्रत्याशा 8.2 साल तक बढ़ जाएगी।

■ भारत की 1.4 अरब आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां कण प्रदूषण का वार्षिक औसत विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशा-निर्देशों से अधिक है

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और उत्तरी मैदानी क्षेत्रों के अलावा, राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में कण प्रदूषण से लोगों का स्वास्थ्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। इसमें कहा गया है कि उक्त राज्यों में अगर कण प्रदूषण के स्तर को घटाकर डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कर दिया जाए, तो वहां औसत जीवन प्रत्याशा में क्रमशः 3.3, 3.1 और 2.8 साल की वृद्धि हो सकती है। भारत ने 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया था, जिसके तहत 2024 में कण प्रदूषण के स्तर को 2017 के मुकाबले 20 से 30 फीसदी तक घटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। वर्ष 2022 में सरकार ने उक्त लक्ष्य में संशोधन करते हुए 131 गैर-प्राप्ति शहरों में इसमें 2026 तक 40 फीसदी की कटौती करना निर्धारित किया।

जेल में बंद व्यक्ति को पाकिस्तान ने अपना नागरिक नहीं माना

कोर्ट ने केंद्र से मांगी राय

कोलकाता (भाषा)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने विदेशी नागरिक के रूप में दोषी ठहराए जाने और एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद व्यक्ति को पाकिस्तान द्वारा अपना नागरिक मानने से इनकार करने के बाद केंद्र से राय मांगी है। वर्तमान में दमदम केंद्रीय कारा में बंद याचिकाकर्ता पी. यूसुफ ने अदालत से अधिकारियों को उसे पाकिस्तान वापस भेजने का निर्देश देने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने भारत सरकार की ओर से पेश वकील को निर्देश दिया कि वह यूसुफ के संबंध में आगे की कार्रवाई के लिए उचित निर्देश प्राप्त करें।

■ कलकत्ता हाईकोर्ट ने विदेशी नागरिक के रूप में दोषी यूसुफ के मौजूदा हालात पर गौर किया

अदालत ने बुधवार को निर्देश दिया, याचिकाकर्ता को रिहा करना है या उसे हिरासत में रखना है, इस बारे में अधिकारियों द्वारा स्पष्ट रूप से सूचित किया जाए। अदालत ने यूसुफ के मौजूदा हालात पर गौर किया, जिसमें उसे यहां एक विदेशी नागरिक के रूप में दोषी तो ठहराया गया, लेकिन पाकिस्तान उसे अपना नागरिक मानने से इनकार कर रहा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 17 सितम्बर के लिए निर्धारित कर दी।

यूसुफ के वकील ने अदालत में दलील दी कि उनके मुवक्किल को 2012 में बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में सीमा पार कर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद गिरफ्तार किया गया था और चार अप्रैल 2013 को दोषी ठहराए जाने के बाद उसे 650 दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई। वकील ने बताया, यूसुफ को सजा बहुत पहले पूरी कर लेने के बावजूद वापस नहीं भेजा गया और वह दमदम केंद्रीय कारागार में बंद है। पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने अदालत में सुधार सेवा निदेशालय के प्रभारी अधिकारी की एक रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा, रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान यूसुफ को अपना नागरिक नहीं मान रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया कि यूसुफ को दो बार 'कांसुलर एक्सेस' दिया गया और दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ले जाया गया। राज्य सरकार के वकील ने कहा, दो सह-आरोपियों को पाकिस्तान ने अपना नागरिक स्वीकार कर लिया, जबकि यूसुफ को पड़ोसी देश ने अपना नागरिक स्वीकार नहीं किया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ के समक्ष दावा किया कि वह एक भारतीय नागरिक है और उसने केरल में संपत्ति का विक्रय पत्र भी संलग्न किए।

पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने अदालत में दलील दी कि केरल सरकार की एक रिपोर्ट में बताया गया कि यूसुफ ने कन्नूर के एक स्कूल में सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की थी और उसके बाद अपने पिता मीर मोहम्मद के साथ पाकिस्तान चला गया था। केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यूसुफ एक विदेशी नागरिक है। न्यायमूर्ति सिन्हा ने केंद्र के वकील से कहा, यूसुफ के साथ क्या किया जाए, इस बारे में सरकार से निर्देश लें।

मंदिर के सुरक्षा कर्मचारी की 'हिरासत में मौत' मामले में FIR

नई दिल्ली (एसएनबी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जेपी निकिता नाम की एक महिला के आभूषण चोरी मामले के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की है। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में एक मंदिर के बाहर हुई इस घटना के संबंध में मंदिर के सुरक्षाकर्मी बी. अजित कुमार को राज्य पुलिस ने हिरासत में लिया था, जिसे कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया और बाद में उसकी मौत हो गई।

सीबीआई ने डिडीगुल के मुथैया पिल्लई महिला कला महाविद्यालय की प्रोफेसर निकिता की शिकायत पर थिरुप्पुवनम थाने में शुरू में दर्ज किये गये मामले की जांच को अपने हाथ में लेते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत चोरी का मामला दर्ज किया। इस मामले की जांच एजेंसी की विशेष अपराध इकाई द्वारा की जा रही है, जो अजित कुमार की हिरासत में हुई कथित मौत की भी जांच कर रही है। निकिता 27 जून की सुबह अपनी मां शिवगामी के साथ कार से मदापुरम काली मंदिर गई थीं।

■ सीबीआई की विशेष अपराध इकाई द्वारा की जा रही है जांच जो अजित कुमार की हिरासत में हुई कथित मौत की भी जांच कर रही है

निकिता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि हिदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की वर्दी पहने कुमार उनके पास आया और उनकी मां की वृद्धावस्था का फायदा उठाते हुए कार को पार्किंग में लगाने की पेशकश की तथा उन्हें चाबी देने के लिए मजबूर किया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, जब वे लौटकर आए तो उन्होंने पाया कि उनके बैग के साथ छेड़छाड़ की गई थी और उसे खोलकर देखने पर उसमें रखे सोने के आभूषण गायब थे।

शिकायत में जिन आभूषणों के चोरी होने की बात कही गयी, उनमें एक चेन, दो सोने के कड़े और दो रत्नजड़ित अंगूठियां थीं। स्थानीय पुलिस ने उसी दिन कुमार को गहनों की चोरी के मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था और अगली रात एक सरकारी अस्पताल में उसे 'मृत' घोषित कर दिया गया। 29 जून को शाम पौने छह बजे से लगभग तीन घंटे तक चले पोस्टमार्टम में पता चला कि कुमार के पैरों, हाथों, पेट और छाती पर 44 बाहरी चोटें थीं, जिनमें से कम से कम 19 गहरी थीं और मांसपेशियों तक थीं। मदुरै मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के फोरेंसिक सर्जनों की रिपोर्ट में बताया गया कि मौत पोस्टमार्टम से लगभग 12-24 घंटे पहले हुई होगी लेकिन 'हिस्टोपैथोलॉजिकल' जांच के कारण मौत का सही कारण नहीं बताया गया। मामला सीबीआई को सौंप दिया गया, जिसने कथित हिरासत में हुई मौत के संबंध में पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

पालघर में इमारत ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हुई

पालघर (भाषा)। महाराष्ट्र में पालघर जिले के विरार में एक इमारत ढहने की घटना में दो और शव बरामद होने के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है।

पुलिस ने बताया, वसई विरार नगर निगम द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद चार मंजिला इमारत रमाबाई अपार्टमेंट के बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पालघर जिले के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा, मलबे में दबे दो और शव मिले हैं। एनडीआरएफ और अन्य बचाव दल बचाव कार्य में जुटे है। उन्होंने कहा, बाद में शवों की पहचान की जाएगी। मुंबई से सटे पालघर के विरार इलाके के विजय नगर में 50 फ्लैट वाली यह इमारत मंगलवार रात 12:05 बजे एक खाली पड़े मकान पर गिर गई। चौथी मंजिल पर एक साल की बच्ची का जन्मदिन मनाया जा रहा था, तभी इमारत के एक हिस्से में 12 फ्लैट ढह गए, जिससे फ्लैट में रहने वाले लोग और मेहमान मलबे में दब गए।

पालघर की जिलाधिकारी डा. इंदु रानी जाखड़ ने बृहस्पतिवार सुबह पुष्टि की कि इस घटना में जान गंवाने वालों की संख्या 15 हो गई है। मृतकों में वह बच्ची भी है जिसका जन्मदिन घटना के समय मनाया जा रहा था। वसई-विरार नगर निगम के अनुसार, घायल हुए और बचाए गए छह अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज हो रहा है। एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग सहित आपातकालीन टीम मलबे की छानबीन कर रही है।

पाक : पंजाब प्रांत में बाढ़ से 17 की मौत

लाहौर (भाषा)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बाढ़ के कारण सैकड़ों गांवों के जलमग्न हो जाने से पिछले 24 घंटे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सतलुज, रावी और चिनाब नदियों के आस-पास आई बाढ़ के कारण 13 करोड़ से अधिक आबादी वाले प्रांत में बड़े पैमाने पर लोगों को निकाला गया जबकि बाढ़ से बुनियादी अवसंरचना को नुकसान पहुंचा और लाखों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई।

■ लाखों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न

पंजाब आपातकालीन सेवा बचाव 1122 के अनुसार, पिछले 24 घंटे में बाढ के कारण 17 लोगों की मौत हो गई, जिसमें से सियालकोट में सात, गुजरात में चार, नारोवाल में तीन, हाफिजाबाद में दो और गुजरांवाला में एक व्यक्ति शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश और भारत द्वारा बांधों से छोड़े गए अतिरिक्त पानी के कारण तीनों नदियों के जलस्तर में असमान्य बढोतरी दर्ज की गई है।

संघीय विकास मंत्री अहसान इकबाल ने भारत पर 'जल आक्रमण' का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'भारत ने जल क्षेत्र में आक्रामकता अपनाई है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, जिससे सीमा के दोनों ओर सहयोग से ही निपटा जा सकता है। भारत को इसे प्राकृतिक आपदा मानकर पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय उसने अचानक बाढ़ की लहर के रूप में पानी छोड़ दिया और इसे हथियार की तरह इस्तेमाल किया।' अधिकारियों ने पहले बताया था कि भारत ने रावी नदी पर स्थित अपने थीन बांध के सभी फाटक खोल दिए है, जिसके बाद पंजाब प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्यों में नागरिक प्राधिकारियों की सहायता के लिए पंजाब के आठ जिलों लाहौर, ओकारा, फैसलाबाद, सियालकोट, नारोवाल, कसूर, सरगोधा और हाफिजाबाद में पाकिस्तानी सेना को बुलाना पड़ा है। पाकिस्तान को भारत से चेतावनी मिली है कि वह तेज़ी से भर रहे माधोपुर बांध से पानी छोड़ सकता है। ये दोनों बांध रावी नदी पर है, जो भारत से पाकिस्तान में बहती है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुये आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था। आमतौर पर बाढ की चेतावनी सिंधु जल आयोग के माध्यम से साझा की जाती है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ का पानी नीचे की ओर बढ रहा है, चेनाब नदी पर खानकी और कादिराबाद हेडवर्क्स तथा सतलुज पर गंदा सिह वाला में जलस्तर में असाधारण रूप से वृद्धि हुई है।

अमेरिका : हमलावर के हथियार पर लिखा था 'न्यूक इंडिया'

न्यूयार्क/वाशिंगटन (भाषा)। मिनियापोलिस के एक कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी कर दो बच्चों की हत्या करने वाले हमलावर की एक बंदूक पर 'न्यूक इंडिया' लिखा था। हमलावर द्वारा इस्तेमाल किए गए कथित हथियारों की वीडियो फुटेज से यह बात सामने आई। मिनेसोटा निवासी 23 वर्षीय रॉबिन वेस्टमैन नामक हमलावर ने बुधवार को एनुंसिएशन कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी की। इस हमले में आठ और 10 साल के दो बच्चों की मौत हो गई तथा 17 लोग घायल हो गए। इसके बाद वेस्टमैन ने कथित तौर पर खुद को भी गोली मार ली।

ऑनलाइन प्रसारित वीडियो फुटेज में वेस्टमैन अपने पास मौजूद कारतूस, राइफल और बंदूकों को प्रदर्शित करता दिखता है। इनमें से एक बंदूक पर सफेद रंग से 'न्यूक इंडिया' लिखा हुआ है। पत्रकार लॉरा लूमर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मिनेसोटा के हमलावर ने अपनी बंदूक पर 'माशाअल्लाह' और 'न्यूक इंडिया' लिखा हुआ था। उसने इस्राइल विरोधी नारा 'इस्राइल मस्ट फॉल' भी लिखा था। भारत के खिलाफ आक्रामक नारेबाजी और परमाणु हथियार हमले की धमकी के संदर्भ में अकसर कुछ कट्टरपंथी लोग या समूह 'न्यूक इंडिया' शब्द का इस्तेमाल करते है।

एच1बी ल्यूटनिक ट्रंप प्रशासन एच1बी कार्यक्रम और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में बदलाव करेगा : ल्यूटनिक

वाशिगटन (भाषा)। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड ल्यूटनिक ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन एच1बी कार्यक्रम और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में बदलाव लाने की योजना बना रहा है। एच1बी भारतीय आईटी पेशेवरों के बीच सबसे अधिक मांग वाला गैर-आप्रवासी वीजा है। ल्यूटनिक ने मंगलवार को फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'मै एच1बी कार्यक्रम में बदलाव की प्रक्रिया में शामिल हूं। हम उस कार्यक्रम को बदलने पर काम कर रहे है, क्योंकि वह बहुत बुरा है।' ट्रंप प्रशासन ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में बदलाव करने पर भी विचार कर रहा है, जिसके तहत अमेरिका में स्थायी निवास दिया जाता है।

ल्यूटनिक ने कहा, 'आप जानते है, हम ग्रीन कार्ड देते है। औसत अमेरिकी सालाना 75,000 अमेरिकी डॉलर कमाता है, और औसत ग्रीन कार्ड प्राप्तकर्ता 66,000 अमेरिकी डॉलर कमाता है। हम यह सब देख रहे है और पता लगा रहे है कि ऐसा क्यों होता है? इसीलिए डोनाल्ड ट्रंप इसे बदलने वाले है। गोल्ड कार्ड आने वाला है। और हम देश में आने वाले अच्छे लोगों को चुनेंगे। अब इसे बदलने का समय आ गया है। एच-1बी वीजा से सबसे ज्यादा फायदा भारतीयों को होता है। मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में ल्यूटनिक ने कहा, 'मौजूदा एच1बी वीजा प्रणाली एक घोटाला है, जिसके तहत अमेरिकियों की नौकरियां विदेशी कर्मचारियों को दी जाती है।

नैनीताल में आग लगने से ओल्ड लंदन हाउस राख

नैनीताल (एसएनबी)। उत्तराखंड के नैनीताल में 150 साल से ज्यादा पुराने 'ओल्ड लंदन हाउस' में भीषण आग लगने के कारण झुलसकर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। घटना में जान गंवाने वाली महिला प्रसिद्ध इतिहासकार और पर्यावरणविद डॉ. अजय रावत की बहन थीं। मल्लीताल क्षेत्र में मोहनको चौराहे पर स्थित इस इमारत में बुधवार रात आग लग गई जिस पर अग्निशमन सेवा, पुलिस, वायुसेना फायर टेंडर एवं अन्य बचाव दलों की मदद से कई घंटे बाद रात करीब दो बजे काबू पाया जा सका।

■ प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. अजय रावत की 82 वर्षीय बहन शांता बिष्ट की झुलसकर मृत्यु

घनी आबादी वाले क्षेत्र में लगी आग पर नियंत्रण करने के लिए बचाव एवं राहत अभियान में विभिन्न एजेंसियों के 40 से अधिक कर्मी जुटे रहे। घटना की सूचना मिलते ही कुमांऊ की पुलिस महानिरीक्षक रिद्धिम अग्रवाल और नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रह्लाद नारायण मीणा भी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की।

डॉ. रावत ने बताया, उनकी बहन शांता बिष्ट की आग में झुलसकर मृत्यु हो गई है। वह 82 वर्ष की थीं। इमारत के पास ही अपनी मोबाइल फोन की दुकान के मालिक विनोद कुमार वर्मा ने बताया, उन्होंने रात करीब 10 बजे धुआं निकलते देखा जिसके तुरंत बाद आग की लपटें दिखाई देने लगीं। उन्होंने तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद दमकल का एक वाहन मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, उसके टैंक का पानी जल्द ही खत्म हो गया जिसके बाद उसे दोबारा पानी भरने के लिए वापस भेजना पड़ा। घटना के बाद अफरातफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागते दिखाई दिए। बाद में, भवाली, भीमताल, रामनगर, हल्द्वानी समेत कई जगहों से दमकल वाहन मंगाए गए जिन्होंने आग बुझाने में मदद की। आग के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। आग में जलकर इमारत पूरी तरह से नष्ट हो गई ।

झारखंड : मदरसे में नाबालिग लड़की ने खुदकुशी की

गोड्डा (भाषा)। झारखंड के गोड्डा जिले में बृहस्पतिवार को एक मदरसे में 14 साल की लड़की का शव फंदे से लटका मिला। लड़की महागामा क्षेत्र में स्थित इस्लामी शिक्षण संस्थान की छात्रा थी। पीड़िता के परिवार का आरोप है कि मदरसे के मौलवी ने उसके साथ बलात्कार किया, जिसके कारण उसने अपनी जान दे दी। अब्दुल रज्जाक (60) नामक मौलवी ने सुबह करीब सात बजे पुलिस को घटना की जानकारी दी।

महागामा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) चंद्रशेखर आजाद ने बताया, लड़की के शव को पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। आजाद ने कहा, 'हम केवल आरोपों के आधार पर निर्णय नहीं ले रहे है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करेंगे ताकि पता चल सके कि यह आत्महत्या थी या कुछ और। प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है।

काशी में बाढ़ : घाटों के बजाय छतों पर हो रहा है शवदाह

वाराणसी (भाषा)। वाराणसी में उफनाई गंगा की बाढ से घाटों पर व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई है। घाटों के निचले हिस्सों में पानी भर जाने की वजह से आरती और शवदाह का काम छतों पर किया जा रहा है। गंगा का जलस्तर पिछले कुछ दिनों में घटने के बाद एक बार फिर से बढ़त की ओर है। गंगा का जलस्तर चेतावनी बिदु 70.262 मीटर को पार कर 70.91 मीटर पहुंच गया। अब यह जलस्तर खतरे के बिदु 71.262 मीटर के नजदीक पहुंच गया है।

आरती का आयोजन करने वाली संस्था 'गंगा सेवा निधि' के व्यवथापकों ने बृहस्पतिवार को बताया, दशाश्वमेध घाट के निचले हिस्सों में बाढ़ का पानी भर जाने की वजह से पारंपरिक आरती अब भी छतों पर हो रही है। उन्होंने बताया, निचला हिस्सा पानी में डूबने की वजह से हरिश्चंद्र घाट और मणिकर्णिका घाट पर शवदाह कार्य छतों पर हो रहा है। दशाश्वमेध घाट पर स्थित शीतला माता मंदिर जलमग्न है। जिला प्रशासन ने नदियों के बढ़ते जलस्तर और जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया, नगर निगम के अधिकारियों को राहत शिविरों के परिसरों और शौचालयों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, जलजमाव वाले क्षेत्रों में एंटी-लार्वा छिड़काव और फॉगिग नियमित रूप से कराने के निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही बाढ़ राहत शिविरों को पुनः सक्रिय किया जा रहा है।

■ गंगा का जलस्तर खतरे के बिदु 71.262 मीटर के नजदीक पहुंचा

गंगा के साथ-साथ वरुणा नदी भी उफान पर है, जिससे तटवर्ती इलाकों की स्थिति फिर से बिगड़ने लगी है। शक्कर तालाब, पुराना पुल, नक्खी घाट, पुलकोहना और दीनदयालपुर जैसे क्षेत्रों में पानी प्रवेश कर रहा है। बाढ़ के कारण 100 से अधिक लोगों को मजबूरन अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। इस बीच, मिर्जापुर से मिली रिपोर्ट के मुताबिक जिले में गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंच गया है।

जागरूक करता है सोशल मीडिया : डा त्रिपाठी

नई दिल्ली (एसएनबी)। सोशल मीडिया अब हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अहम हिस्सा है। मीम, वीडियो या रील्स यहीं तक सीमित नहीं रहता। यह हमें जोड़ता है, हँसाता है और कई बार जागरूक भी करता है। ये विचार डॉ. राखी त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर और एरिया चेयर (इन्फ़ॉर्मेशन सिस्टम्स एवं एनालिटिक्स), फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली ने व्यक्त किए। कई बड़े आंदोलन जैसे 'मी टू' और 'ब्लैक लाइव्स मैटर' साधारण लोगों की पोस्ट से शुरू हुए और वैश्विक बदलाव का कारण बने।

कंपनियाँ और सरकारी विभाग भी जनता की आवाज़ सुनने के लिए इन प्लेटफ़ॉर्म्स पर सक्रिय है। गलत बिलिंग, खराब सेवाएँ, कचरे के ढेर-भी सोशल मीडिया के ज़रिए संबंधित अधिकारियों तक पहुँच सकते है। ज़रूरी है सही अकाउंट टैग करना और अपनी बात शालीनता से रखना।

बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर की 2.4 करोड़ रुपये की ठगी

कासरगोड (भाषा)। केरल में कासरगोड जिले के कान्हागड में 11 दिन तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखे जाने के बाद साइबर धोखेबाजों ने एक बुजुर्ग दंपति से 2.4 करोड़ रुपये की ठगी की। 'डिजिटल अरेस्ट' में साइबर अपराधी फर्जी सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डरा-धमकाकर उनसे बड़ी रकम वसूलते है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 316(4) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित 69 वर्षीय सेवानिवृत्त एक शिक्षक और उनकी 72 वर्षीय पत्नी है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी होम्योपैथी चिकित्सक है। यह दंपति कान्हागड में एक किराए के मकान में अकेला रहता है। सेवानिवृत्त शिक्षक ने कहा, दस अगस्त की सुबह मेरी पत्नी को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से कॉल आया। मैंने फोन उठाया तो हिंदी में बोल रहे एक व्यक्ति ने दावा किया कि वह भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) से है। उसने कहा, मेरी पत्नी सीबीआई द्वारा जांचे जा रहे धनशोधन के एक मामले में शामिल है और एजेंसी का एक अधिकारी जल्द ही उनसे संपर्क करेगा। उन्होंने कहा, कुछ मिनट बाद दंपति को एक व्हाट्सएप वीडियो कॉल आया। उन्होंने कहा, स्क्रीन पर पुलिस की वर्दी पहने एक आदमी था जिसने हमें शांत रहने को कहा। जल्द ही एक अनुवादक कॉल में शामिल हो गया और हिदी से मलयालम में अनुवाद करने लगा। उन्होंने दावा किया कि जेट एयरवेज के पूर्व अध्यक्ष नरेश गोयल के आवास पर छापेमारी के दौरान मेरी पत्नी का पहचान पत्र और बैंक विवरण बरामद हुए थे। सबूत के तौर पर उन्होंने एक एटीएम कार्ड भी दिखाया, हालांकि विवरण स्पष्ट नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गोयल और मेरी पत्नी के बीच वित्तीय लेन-देन हुआ था। सेवानिवृत्त शिक्षक ने कहा, जब उन लोगों ने दिखाए गए बैंक में कोई खाता होने से इनकार किया, तो धोखेबाजों ने उनके नाम का एक फर्जी आधार कार्ड दिखाया।

■ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 316(4) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मामला दर्ज